>

Title: Need to provide compensation and irrigation facilities to betel leaf growers in Mahoba Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री विजय बहादुर सिंह (हमीरपुर, उ.पू.): मेरा संसदीय क्षेत्र महोबा पान उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध है, किंतु पान की खेती की सिंचाई के लिए बनाए गए कुएं, तालाब सूख जाने से पान की खेती मुरझा गई है। कई सालों से ओलावृष्टि, पाला, लू एवं अल्पवृष्टि के कारण फसल चौपट हो गई है । पान की फसल खाद-बीज पर मिलने वाली सब्सिडी और फसल बीमा के दायरे से भी बाहर है । पान से जुड़े हजारों किसान पलायन को मजबूर हैं और भुखमरी की नौबत आ गई है ।

पान की खेती का गढ़ रह चुके महोबा की पान मंडी अब वीरान हो चली है । महोबा में पान की खेती तीन हजार एकड़ से सिमटकर पांच एकड़ तक रह गई है । यहां के देसावरी पान की मांग समूचे देश में है और इसका निर्यात भी किया जाता था ।

मेरी सरकार से मांग है कि किसानों को मुआवजे के साथ सिंचाई की व्यवस्था की जाए । केन्द्र सरकार द्वार लखनऊ और महोबा में स्थापित परंतु अब बंद हो चुके पान प्रयोग व प्रशिक्षण संस्थान पुनः चालू किए जाएं ।